PG/IIS/HIN/205/25

M.A. 2nd Semester Examination, 2025

HINDI

(*हिंदी कहानी*)

PAPER – HIN-205

Full Marks : 50

Time : 2 hours

Answer all questions

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2

   (क) 'कफन' कहानी का मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट करते हुए प्रेमचंद द्वारा संपादित किन्हीं दो पत्रिकाओं के नाम बताइए ।

   (ख) 'अपना-अपना भाग्य' कहानी की व्यावहारिक समीक्षा कीजिए । जैनेन्द्र द्वारा रचित दो कहानी-संग्रहों के नाम लिखिए ।

(*ग*) 'सिक्का बदल गया' विभाजन की त्रासदी का आख्यान है। इस कथन से आप कहां तक सहमत हैं ? तर्क पूर्ण उत्तर दीजिए। कृष्णा सोबती को कब और किस रचना के तिए साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला ?

(*घ*) 'सलाम' कहानी में वर्णित दलित–उत्पीड़न की कथा का सोदाहरण मूल्यांकन कीजिए। ओम प्रकाश वाल्मीकि द्वारा रचित किन्हीं दो पुस्तकों के नाम बताइए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* के यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 5 × 4

(*क*) 'आकाशदीप' में व्यक्त राष्ट्र–प्रेम पर चर्चा कीजिए।

(*ख*) फणीश्वरनाथ रेणु का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(*ग*) 'कोशी का घटवार' कहानी की भाषिक–संरचना पर विचार कीजिए।

(*घ*) "इस समय मैं यही सोच रहा था कि वह उद्धत और चंचल मालती आज कितनी सीधी हो गई है, कितनी शांत, और एक अखबार के टुकड़े को तरसती है.....यह क्या, यह।" इस गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(ङ) "बहुत बुरा किया है तुम लोगों ने, बहुत बुरा किया है। बुढ़िया ऊंचा- ऊंचा बोल रही थी, तुम्हारे दिल में दर्द मर गया है। छोटी सी बच्ची उनके साथ थी, बेरहमो, तुमने बहुत बुरा किया है धक्के देकर उतार दिया है।" – सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(च) 'सभी खर्च तो वाज़िब-वाज़िब हैं, किसका पेट काटूं ? यही जोड़-गांठ करते-करते बूढ़ी हो गई, न मन का पहना, न ओढ़ा।" – ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

[Internal Assessment — 10 Marks]